Hindustan
Highway ke toll plaza se chada mehngayee ka para
Date: 12/06/2012 | Edition: Delhi | Page: 9 | Source: Arvind Singh | Clip size (cm): W: 11 H: 17

India Media Monitor

व्यावसायिक वाहनों का 40% से अधिक टोल टैक्स पर खर्च

राजमार्गों के टोल प्लाजा से चढ़ा महंगाई का पारा

नई दिल्ली | अरविंद सिंह

राष्ट्रीय राजमार्गों के टोल प्लाजा के चलते लोगों को ट्रैफिक जाम की समस्या से सामना तो करना पड़ ही रहा है। वाहनों की सुस्त रफ्तार से देश की अर्थव्यवस्था को भी नुकसान हो रहा है।

माल ढुलाई में व्यावसायिक वाहनों को 40 फीसदी से अधिक टोल टैक्स पर खर्च करना पड़ रहा है। सरकार हर साल इसकी दरों में लगभग 10 फीसदी का इजाफा कर रही है जिससे महंगाई का पारा चढ़ता ही जा रहा है। इसका खामियाजा जनता को भुगतना पड़ रहा है। ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (टीसीआई) और भारतीय प्रबंधन संस्थान, कोलकाता ने पिछले दिनों जारी अपनी रिपोर्ट में इसकी पुष्टि की है कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल प्लाजा के कारण वाहनों की रफ्तार कम है। इससे देश की अर्थव्यवस्था को हर साल 60 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है।

दिल्ली-मुंबई, दिल्ली-कोलकाता, दिल्ली-चेन्नई सड़क मार्ग पर व्यवसायिक वाहनों को माल ढुलाई पर औसतन 40 फीसदी से अधिक टोल टैक्स पर खर्च करना पड़ रहा है। दिल्ली-मुंबई मार्ग पर व्यवसायिक वाहन का डीजल खर्च 30,750 रुपये है। जबकि उसे टोल टैक्स के रूप में 13,500 रुपये खर्च करने पड़ते हैं। दिल्ली-कोलकाता मार्ग पर 33,825 रुपये डीजल और 7,400 रुपये टोल पर खर्च होते हैं। इसी प्रकार दिल्ली-चेन्नई मार्ग पर वाहनों के डीजल फुंकने पर 53,000 रुपये और टोल अदा करने पर 17,000 रुपये खर्च बैठता है। आल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस (एआईएमटीसी) के महासचिव नवीन गुप्ता ने बताया कि राजस्थान में 600 किलोमीटर के एक राष्ट्रीय राजमार्ग (खंड पर) 3000 रुपये टोल टैक्स लिया जाता है। वहीं आंध्र प्रदेश में 700 किलोमीटर (खंड पर) चलने पर महज 1100 रुपये टोल टैक्स देना पड़ता है।

मुश्किल

- 40 फीसदी है टोल का भार दिल्ली से मुंबई,कोलकाता, चेन्नई मार्ग पर
- 60 हजार करोड़ का नुकसान हो रहा है इससे देश की अर्थव्यवस्था को